चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	3.2.24	4	2-5

महान हस्तियों के अनुभवों से विद्यार्थियों को मिलेगी समाजसेवा की प्रेरणा : प्रो. काम्बोज

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का दो दिवसीय स्थापना दिवस समारोह आयोजित

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) को नई ऊंचाई तक ले जाने और हरियाणा का मान बढ़ाने वालों सभी पद्मश्री अवार्डियों को शुक्रवार को सम्मानित किया। उनके साथ विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त करने वाले हस्तियां भी सम्मानित हुई। इस सम्मान समारोह से पूर्व विश्वविद्यालय में करोड़ों रुपये की नवीनीकरण की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया गया। हकृवि के 55वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पद्मश्री प्राप्त करने वाले सभी अतिथियों ने अपने अनुभव सांझा किए। सम्मान समारोह से पहले प्रथम चरण में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने फ्लैचर भवन के सामने स्व. चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यापर्ण किया। उसके बाद फ्लैचर भवन, कैंपस स्कूल के सभागार व पुस्तकालय के हुए नवीनीकरण परियोजनाओं और विश्वविद्यालय के मत्स्य महाविद्यालय में नई स्नात्तक प्रयोगशाला का उद्घाटन किया।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को इन महान विभूतियों के जीवन संघर्ष, अनुभवों व लगन से प्रेरित होकर अपने जीवन को समाज के प्रति समर्पित करने व राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना योगदान देने के लिए अपने आप को तैयार करना चाहिए। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक लगातार किसानों की आर्थिक दशा को मजबूत करने के लिए प्रयासरत है।

वैज्ञानिकों द्वारा इजाद की गई उन्नत किस्में देश भर में लोकप्रिय हो रही है। जिसकी बदौलत विश्वविद्यालय लगातार राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशेष पहचान बना रहा है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय कृषक समाज को आगे बढ़ाने के लिए न केवल कृषि क्षेत्र बल्कि, मत्स्य पालन, कृषि उद्यमिता, बायोटेक्नोलाजी, कृषि अभियांत्रिकी, सामुदायिक विज्ञान एवं मौलिक विज्ञान से जुड़े महाविद्यालयों को लगातार विकसित करके कृषक समुदाय की सभी जरूरतों को पूरा कर रहा है। इन क्षेत्रों में विद्यार्थियों को शिक्षित कर विशेषज्ञ के तौर पर विकसित कर रहा है। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर चार करोड़ की लागत से फ्लैचर भवन, 2.18 करोड़ की लागत से कैंपस स्कूल के सभागार के हुए नवीनीकरण परियोजनाओं और विश्वविद्यालय के मत्स्य महाविद्यालय में 53 लाख रुपये की लागत में बनी नई स्नात्तक प्रयोगशाला का उद्घाटन हुआ।

हकृवि के स्थापना दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में पदमश्री अवार्डी व विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त महान हस्तियों के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज। • पीआरओ

इन महान हस्तियों को किया गया सम्मानित

डा. आरसी सिहाग (पूर्व अधिष्ठाता, मौलिक एवं मानविकी विज्ञान महाविद्यालय) को विज्ञान-तकनीकी एवं कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने, डा. हरिओम को प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, सिरसा निवासी गुरविन्दर सिंह को वृद्धों, महिलाओं, अनाथ बच्चों, दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों की सहायता के लिए, हरियाणवी कलाकार महाबीर सिंह गुड्डू को हरियाणवीं कला एवं संस्कृति को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनूठी पहचान दिलाने, प्रगतिशील किसान करनाल स्थित नीलोखेड़ी निवासी सुल्तान सिंह भुटाना को व मेजर जनरल प्रमोद बत्रा को भी सम्मानित किया गया।

विवि से मिला साथ, अनेक उपलब्धि हासिल की

: पद्मश्री हासिल करने वाले पूर्व अधिष्ठाता डा. आरसी सिहाग ने कहा कि उनकी तरफ से मधुमक्खी पालन को लेकर 1982 में एचएयू से ही काम शुरू किया। उस दौरान किसानों को ट्रेनिंग दी। मधुमक्खी किस मौसम में रह सकती है उस पर रिसर्च की और हिमाचल प्रदेश से बाक्स लाकर पालन शुरू किया। आज उसका परिणाम है कि मधुमक्खी पालन से जो शहद हरियाणा में निकलता है वह बाहर जाता है। उनकी तरफ से इस सम्मान के लिए पांच बार अप्लाई किया लेकिन अंतिम बार जब उनकी धर्मपत्नी ने अप्लाई किया तो उनको यह मिला। सिरसा के गुरविंदर सिंह ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों की सहायता के लिए हर व्यक्ति को आगे आना चाहिए। हर इंसान को अपना धर्म समझाना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	3-2-24	4	3-6

एचएयू में 4 करोड़ की लागत से फ्लैचर भवन, 2.18 करोड़ के सभागार का उद्घाटन किया

महान हस्तियों के अनुभवों से विद्यार्थियों को मिलेगी समाज सेवा की प्रेरणा : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 55वें स्थापना दिवस पर शुक्रवार को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रथम चरण में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने फ्लैचर भवन के सामने दिवंगत चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। स्थापना दिवस पर 4 करोड़ की लागत से फ्लैचर भवन, 2.18 करोड़ की लागत से कैंपस स्कूल के सभागार के हुए नवीनीकरण परियोजनाओं और विश्वविद्यालय के मत्स्य महाविद्यालय में 53 लाख रुपये की लागत में बनी नई स्नात्तक प्रयोगशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज द्वारा किया गया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट कार्यों के लिए पदमश्री व विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त करने वाली महान हस्तियों को विश्वविद्यालय के 55वें स्थापना दिवस पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह में पदमश्री एवं विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त करने वाली महान हस्तियों ने अपने अनुभवों को साझा किए, जिनके संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को इन महान विभूतियों के जीवन संघर्ष, अनुभवों व लगन से प्रेरित होकर अपने जीवन को समाज के प्रति समर्पित करने व राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना योगदान देने के लिए अपने आप को तैयार करना चाहिए। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक लगातार किसानों की आर्थिक दशा को मजबूत करने के लिए प्रयासरत है। वैज्ञानिकों द्वारा इजाद की गई उन्नत किस्में देश भर में लोकप्रिय हो रही है। जिसकी बदौलत विश्वविद्यालय लगातार राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशेष पहचान बना रहा है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय कृषक समाज को आगे बढ़ाने के लिए न केवल कृषि क्षेत्र बल्कि, मत्स्य पालन, कृषि उद्यमिता, बायोटेक्नोलॉजी, कृषि अभियांत्रिकी, सामुदायिक विज्ञान एवं मौलिक विज्ञान से जुड़े कॉलेज को लगातार विकसित करके कृषक समुदाय की सभी जरूरतों को पूरा कर रहा है। इन क्षेत्रों में विद्यार्थियों को शिक्षित कर विशेषज्ञ के तौर पर विकसित कर रहा है।

पदमश्री अवार्ड एवं विशिष्ट मेडल प्राप्त महान हस्तियों के साथ एचएयू के वीसी।

इन महान हस्तियों को किया गया सम्मानित

एचएयू के स्थापना दिवस पर पदमश्री व विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त विजेताओं के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. आरसी सिहाग (पूर्व अधिष्ठाता, मौलिक एवं मानविकी विज्ञान महाविद्यालय) को विज्ञान-तकनीकी एवं कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने, डॉ. हरिओम (विवि के पूर्व कृषि विस्तार विशेषज्ञ) को प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, सिरसा निवासी गुरविन्दर सिंह को वृद्धों, महिलाओं, अनाथ बच्चों, दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों की सहायता के लिए, हरियाणवी कलाकार महाबीर सिंह गुड्डू को हरियाणवीं कला एवं संस्कृति को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनूठी पहचान दिलाने, प्रगतिशील किसान करनाल स्थित नीलोखेड़ी के सुल्तान सिंह भुटाना को मछली पालन को बढ़ावा देने पर पदमश्री अवार्डी हस्तियों व विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त मेजर जनरल प्रमोद बत्रा को सम्मानित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	3-2-25	2	1-4

महान हस्तियों के अनुभवों से युवाओं को मिलेगी समाजसेवा की प्रेरणा : प्रो. कांबोज

एचएयू के स्थापना दिवस पर पद्मश्री एवं विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त करने वालों को किया सम्मानित

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएसएचएयू) के 55वें स्थापना दिवस पर शुक्रवार को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान स्थापना एवं सम्मान समारोह में पद्मश्री एवं विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त करने वाले गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि महान हस्तियों के अनुभवों से विद्यार्थियों को समाज सेवा की प्रेरणा मिलेगी। कुलपति ने 4 करोड़ रुपये की लागत से फ्लैचर भवन, 2.18 करोड़ रुपये की लागत से कैंपस स्कूल के सभागार के हुए नवीनीकरण परियोजनाओं और मत्स्य महाविद्यालय में 53 लाख रुपये की लागत में बनी स्नातक प्रयोगशाला का उद्घाटन भी किया।

इससे पहले विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने शुक्रवार को सबसे पहले फ्लैचर भवन के सामने स्व. चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद विश्वविद्यालय के मौलिक एवं मानविकी विज्ञान महाविद्यालय के सभागार में स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान पद्मश्री अवार्डी डॉ. आरसी सिहाग, डॉ. हरिओम, सिरसा निवासी गुरविन्दर सिंह, हरियाणवी कलाकार महाबीर सिंह गुड्डू, नीलोखेड़ी निवासी सुल्तान सिंह भुटाना और विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त मेजर जनरल प्रमोद बत्रा को सम्मानित किया गया।

एचएयू के स्थापना दिवस पर सम्मानित होने वाले व्हील चेयर पर बैठे पद्मश्री अवॉर्डी गुरविंदर सिंह, ऊपर बाएं से पहले पद्मश्री अवॉर्डी डॉ. आरसी सिहाग, भगवा पगड़ी वाले हरियाणवी कलाकार महाबीर गुड्डू, सफेद कुर्ता पायजामा व जैकेट में डॉ. हरिओम, कुलपति प्रो. बीआर कांबोज, सेना की वर्दी में विशिष्ट सेवा मेडल विजेता मेजर जनरल प्रमोद बत्रा, ग्रे रंग के कोट-पैंट में नीलेखेड़ी के सुल्तान सिंह। अमर उजाला

समारोह में इन लोगों ने अपने अनुभव भी साझा किए। कुलपति ने कहा कि हमें इन महान विभूतियों के जीवन संघर्ष व अनुभवों से प्रेरित होकर अपने जीवन को समाज के प्रति समर्पित करने व राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक लगातार किसानों की आर्थिक दशा को मजबूत करने के लिए प्रयासरत हैं। वैज्ञानिकों की तरफ से विकसित की गईं उन्नत किस्में देशभर में लोकप्रिय हो रही है, जिसकी बदौलत विश्वविद्यालय लगातार राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशेष पहचान बना रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	3.2.24	4	3-6

हकृवि स्थापना दिवस पर पदमश्री व विशिष्ट सेवा मैडल प्राप्त करने वाली महान हस्तियों को सम्मानित किया

- **महान हस्तियों के अनुभवों से विद्यार्थियों को मिलेगी समाज सेवा की प्रेरणा : प्रो. काम्बोज**

हिसार, 2 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 55वें स्थापना दिवस पर आज विभिन्न कार्यक्रमों का भव्य रूप से आयोजन किया गया। प्रथम चरण में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने फ्लैचर भवन के सामने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, जिसके बाद उन्होंने फ्लैचर भवन, कैंपस स्कूल के सभागार व पुस्तकालय के हुए नवीनीकरण परियोजनाओं और विश्वविद्यालय के मत्स्य महाविद्यालय में नई स्नात्तक प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट कार्यों के लिए पदमश्री व विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त करने वाली महान हस्तियों को विश्वविद्यालय के 55वें स्थापना दिवस पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

हकृवि के स्थापना दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में पदमश्री अवार्डी व विशिष्ट सेवा मैडल प्राप्त महान हस्तियों के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

सम्मान समारोह में पदमश्री एवं विशिष्ट सेवा मैडल प्राप्त करने वाली महान हस्तियों ने अपने अनुभवों को साझा किए, जिनके संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को इन महान विभूतियों के जीवन संघर्ष, अनुभवों व लगन से प्रेरित होंकर अपने जीवन को समाज के प्रति समर्पित करने व राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना योगदान देने के लिए अपने आप को तैयार करना चाहिए।

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक लगातार किसानों की आर्थिक दशा को मजबूत करने के लिए प्रयासरत है। वैज्ञानिकों द्वारा इजाद की गई उन्नत किस्में देश भर में लोकप्रिय हो रही है। जिसकी बदौलत विश्वविद्यालय लगातार राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशेष पहचान बना रहा है। कुलपति ने आह्वान किया कि यदि विद्यार्थीगण व शोधार्थी इन महान हस्तियों के अनुभवों को अपने जीवन में धारण करते हैं तो उनको अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करने में आसानी होगी व समाज में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे पाएंगे।

इन महान हस्तियों को किया गया सम्मानित

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर पदमश्री व विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त विजेताओं के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. आर.सी. सिहाग (पूर्व अधिष्ठाता, मौलिक एवं मानविकी विज्ञान महाविद्यालय) को विज्ञान-तकनीकी एवं कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने, डॉ. हरिओम (विश्वविद्यालय के पूर्व कृषि विस्तार विशेषज्ञ) को प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, सिरसा निवासी गुरविन्दर सिंह को वृद्धों, महिलाओं, अनाथ बच्चों, दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों की सहायता के लिए, हरियाणवी कलाकार महाबीर सिंह गुड्डू को हरियाणवीं कला एवं संस्कृति को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनूठी पहचान दिलाने, प्रगतिशील किसान करनाल स्थित नीलोखेड़ी निवासी सुल्तान सिंह को मछली पालन को बढ़ावा देने पर पदमश्री अवार्डी हस्तियों व विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त मेजर जनरल प्रमोद बत्रा को भी सम्मानित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	3.2.24	5	1-5

महान हस्तियों के अनुभवों से विद्यार्थियों को मिलेगी समाज सेवा की प्रेरणा : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 2 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 55वें स्थापना दिवस पर आज विभिन्न कार्यक्रमों का भव्य रूप से आयोजन किया गया। प्रथम चरण में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने फ्लैचर भवन के सामने स्व. चौधरी चरण सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, जिसके बाद उन्होंने फ्लैचर भवन, कैंपस स्कूल के सभागार व पुस्तकालय के हुए नवीनीकरण परियोजनाओं और विश्वविद्यालय के मत्स्य महाविद्यालय में नई स्नात्तक प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट कार्यों के लिए पदमश्री व विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त करने वाली महान हस्तियों को विश्वविद्यालय के 55वें स्थापना दिवस पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में पदमश्री एवं विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त करने वाली महान हस्तियों ने अपने अनुभवों को साझा किए, जिनके संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को इन महान विभूतियों के जीवन संघर्ष, अनुभवों व लगन से प्रेरित होकर अपने जीवन को समाज के प्रति समर्पित करने व राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना योगदान देने के लिए अपने आप को तैयार करना चाहिए। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक लगातार किसानों की आर्थिक दशा को मजबूत करने के लिए प्रयासरत है। वैज्ञानिकों द्वारा इजाद की गई उन्नत किस्में देश भर में लोकप्रिय हो रही है। जिसकी बदौलत विश्वविद्यालय लगातार राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशेष पहचान बना रहा है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय कृषक समाज को आगे बढ़ाने के लिए न केवल कृषि क्षेत्र बल्कि, मत्स्य पालन, कृषि उद्यमिता, बायोटेक्नोलॉजी, कृषि अभियांत्रिकी, सामुदायिक विज्ञान एवं मौलिक विज्ञान से जुड़े महाविद्यालयों को लगातार विकसित करके कृषक समुदाय की सभी जरूरतों को पूरा कर रहा है व इन क्षेत्रों में विद्यार्थियों को शिक्षित कर विशेषज्ञ के तौर पर विकसित कर रहा है। कुलपति ने आह्वान किया कि यदि विद्यार्थीगण व शोधार्थी इन महान हस्तियों के अनुभवों को अपने जीवन में धारण करते हैं तो उनको अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करने में आसानी होगी व समाज में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे पाएंगे। उन्होंने समाज के उत्थान में अहम रोल अदा करने वाले आदर्श पुरूषों, पूर्व वैज्ञानिकों व सामाजिक कार्यकर्ताओं व अच्छे व्यक्तित्व की जीवनी सहित उनके प्रेरणादायक प्रसंगों का अनुसरण कर जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। विश्वावद्यालय के स्थापना दिवस पर पदमश्री व विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त विजेताओं के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. आर.सी. सिहाग (पूर्व अधिष्ठाता, मौलिक एवं मानविकी विज्ञान महाविद्यालय) को विज्ञान-तकनीकी एवं कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने, डॉ. हरिओम (विश्वविद्यालय के पूर्व कृषि विस्तार विशेषज्ञ) को प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, सिरसा निवासी गुरविन्दर सिंह को वृद्धों, महिलाओं, अनाथ बच्चों, दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों की सहायता के लिए, हरियाणवी कलाकार महाबीर सिंह गुड्डू को हरियाणवीं कला एवं संस्कृति को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनूठी पहचान दिलाने, प्रगतिशील किसान करनाल स्थित नीलोखेड़ी निवासी सुल्तान सिंह भुठाना को मछली पालन को बढ़ावा देने पर पदमश्री अवार्डी हस्तियों व विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त मेजर जनरल प्रमोद बत्रा को भी सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर 4 करोड़ की लागत से फ्लैचर भवन, 2.18 करोड़ की लागत से कैंपस स्कूल के सभागार के हुए नवीनीकरण परियोजनाओं और विश्वविद्यालय के मत्स्य महाविद्यालय में 53 लाख रुपये की लागत में बनी नई स्नात्तक प्रयोगशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज द्वारा उद्घाटन किया गया।

हकृवि के स्थापना दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में पदमश्री अवार्डी व विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त महान हस्तियों के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	3-2-24	12	1-2

विद्यार्थियों को महान हस्तियों के अनुभवों से मिलेगी समाजसेवा की प्रेरणा : प्रो. काम्बोज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 55वें स्थापना दिवस पर शुक्रवार को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट कार्यों के लिए पदमश्री व विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त करने वाली महान हस्तियों को विशेष कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। प्रथम चरण में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने फ्लैचर भवन के सामने स्व. चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, इसके बाद उन्होंने फ्लैचर भवन, कैंपस स्कूल के समागार व पुस्तकालय के हुए नवीनीकरण परियोजनाओं और विश्वविद्यालय के मत्स्य महाविद्यालय में नई स्नातक प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। सम्मान समारोह में पदमश्री एवं विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त करने वाली महान हस्तियों ने अपने अनुभवों को सांझा किया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को इन महान विभूतियों के जीवन संघर्ष, अनुभवों व लगन से प्रेरित होकर अपने जीवन को समाज के प्रति समर्पित करने व राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना योगदान देने के लिए अपने आप को तैयार करना चाहिए। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक लगातार किसानों की आर्थिक दशा को मजबूत करने के लिए प्रयासरत है। वैज्ञानिकों द्वारा इजाद की गई उन्नत किस्में देश भर में लोकप्रिय हो रही है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	02.02.2024	--	--

महान हस्तियों के अनुभवों से विद्यार्थियों को मिलेगी समाज सेवा की प्रेरणा : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार (चिराग टाइम्स)

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 55वें स्थापना दिवस पर आज विभिन्न कार्यक्रमों का भव्य रूप से आयोजन किया गया। प्रथम चरण में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने फ्लैचर भवन के सामने स्व. चौधरी चरण सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, जिसके बाद उन्होंने फ्लैचर भवन, कैंपस स्कूल के सभागार व पुस्तकालय के हुए नवीनीकरण परियोजनाओं और विश्वविद्यालय के मत्स्य महाविद्यालय में नई स्नातक

प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट कार्यों के लिए पदमश्री व विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त करने वाली महान हस्तियों को विश्वविद्यालय के 55वें स्थापना दिवस पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह में पदमश्री एवं विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त करने वाली महान हस्तियों ने अपने अनुभवों को साझा किए, जिनके संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को इन महान विभूतियों के जीवन संघर्ष, अनुभवों व लगन से प्रेरित होकर अपने जीवन को समाज के प्रति समर्पित करने व राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना योगदान देने के लिए अपने आप को तैयार करना चाहिए। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक लगातार किसानों की आर्थिक दशा को मजबूत करने के लिए प्रयासरत है। वैज्ञानिकों द्वारा इजाद की गई उन्नत किस्में देश भर में लोकप्रिय हो रही है। जिसकी बदौलत विश्वविद्यालय लगातार राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशेष पहचान बना रहा है।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय कृषक समाज को आगे बढ़ाने के लिए न केवल कृषि क्षेत्र बल्कि, मत्स्य पालन, कृषि उद्यमिता, बायोटेक्नोलॉजी, कृषि अभियांत्रिकी, सामुदायिक विज्ञान एवं मौलिक विज्ञान से जुड़े महाविद्यालयों को लगातार विकसित करके कृषक समुदाय की सभी जरूरतों को पूरा कर रहा है व इन क्षेत्रों में विद्यार्थियों को शिक्षित कर विशेषज्ञ के तौर पर विकसित कर रहा है। कुलपति ने आह्वान किया

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	02.02.2024	--	--

हकृवि की उन्नत सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 किस्मों से हरियाणा व अन्य प्रदेशों के किसानों को मिलेगा फायदा

सरसों की उन्नत किस्में किसानों तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय ने किया चार कंपनियों के साथ एमओयू

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 2 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की उन्नत किस्में न केवल हरियाणा बल्कि देश के अन्य प्रदेशों के किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने नेशनल क्रॉप साइंस, बीकानेर (राजस्थान), माई किसान एग्रो निमच (मध्यप्रदेश), फेम सिड्स (इंडिया) व उत्तम सिड्स हिसार के साथ तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जब तक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध किसानों तक नहीं पहुंचेगा तब तक उसका कोई लाभ नहीं है। इसलिए इस तरह के समझौतों से विश्वविद्यालय का प्रयास है कि यहां विकसित उन्नत फसल किस्मों व तकनीकों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जा सकें। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सरसों की किस्म आरएच 1424 समय पर बुवाई और बारानी परिस्थितियों में खेती के लिए उपयुक्त है, जबकि आरएच 1706 एक मूल्य वर्धित किस्म है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त किस्में सरसों उगाने वाले राज्यों की उत्पादकता को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगी।

कुलपति ने बताया कि हरियाणा पिछले कई वर्षों से सरसों फसल की उत्पादकता के मामले में देश में शीर्ष स्थान पर है। यह मुकाम विश्वविद्यालय में सरसों की अधिक उपज देने वाली किस्मों के विकास तथा किसानों द्वारा उन्नत तकनीकों को अपनाने के कारण ही संभव हुआ है। अब तक यहां अच्छी उपज क्षमता वाली सरसों की कुल 21 किस्मों को विकसित किया गया है।

एक साथ चार कंपनियों के साथ हुआ समझौता

कुलपति प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। राजस्थान स्थित बीकानेर की नेशनल क्रॉप साइंस सरसों की किस्म आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से राजेश पूनियां ने हस्ताक्षर किए है। मध्य प्रदेश स्थित निमच की माई किसान एग्रो के साथ सरसों की किस्म आरएच 1706 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की ओर से सीईओ जसवंत सिंह ने हस्ताक्षर किए है। हिसार की दो कपंनियां, जिनमें फेम सिड्स (इंडिया) के साथ सरसों की किस्मों आरएच 1706 व आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से हिमांशु बंसल ने हस्ताक्षर किए है। दूसरी कंपनी उत्तम सिड्स के सथ सरसों की किस्मों आरएच 1706 व आरएच 1424 के लिए समझौता ज्ञापन पर कंपनी की तरफ से शुभम ने हस्ताक्षर किए है।

यह है सरसों की किस्मों की विशेषताएं

बारानी परीक्षणों में नव विकसित किस्म आरएच 1424 में लोकप्रिय किस्म आरएच 725 की तुलना में 14 प्रतिशत की वृद्धि के सथ 26 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की औसत बीज उपज दर्ज की गई है। यह किस्म 139 दिनों में पक जाती है और इसके बीजों में तेल की मात्रा 40.5 प्रतिशत होती है। सरसों की दूसरी किस्म आरएच 1706 में 2.0 प्रतिशत से कम इरूसिक एसिड होने के साथ इसके तेल की गुणवत्ता में सुधार हुआ है जिसका उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को लाभ होगा। यह किस्म पकने में 140 दिन का समय लेती है और इसकी औसत बीज उपज 27 क्विंटल हेक्टेयर है। इसके बीजों में 38 प्रतिशत तेल की मात्रा होती है।

विश्वविद्यालय के साथ किसानों को भी होगा फायदा

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनियां विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उन्हें बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्मों का बीज मिल सकेगा। सरसों की किस्में तैयार कर कंपनियां किसानों तक पहुंचाएगी ताकि किसानों को इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल अरोड़ा, तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह, डॉ. रामअवतार, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. विनोद सांगवान भी उपस्थित रहे।

फोटो कैप्शनः समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज, कंपनी के अधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारीगण।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	02.02.2024	--	--

हकृवि का 55वां स्थापना दिवस : महान हस्तियों के अनुभवों से विद्यार्थियों को मिलेगी समाज सेवा की प्रेरणा : प्रो. काम्बोज

समस्त हरियाणा ब्यूरो

हिसार, 2 फरवरी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 55वें स्थापना दिवस पर आज विभिन्न कार्यक्रमों का भव्य रूप से आयोजन किया गया। प्रथम चरण में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने फ्लेचर भवन के सामने स्व. चौधरी चरण सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, जिसके बाद उन्होंने फ्लेचर भवन, कैरों स्कूल के सभागार व पुस्तकालय के नवीनीकरण परियोजनाओं और विश्वविद्यालय के मत्स्य महाविद्यालय में नई अत्याधुनिक प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट कार्यों के लिए पद्मश्री व विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त करने वाली महान हस्तियों को विश्वविद्यालय के 55वें स्थापना दिवस पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में पद्मश्री एवं विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त करने वाली महान हस्तियों ने अपने अनुभवों को साझा किया, जिसके संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को इन महान विभूतियों के जीवन [illegible]

[illegible] उन्होंने समाज के उत्थान में अहम रोल अदा करने वाले आदर्श पुरुषों, पूर्व वैज्ञानिकों व सामाजिक कार्यकर्ताओं व अपने व्यक्तित्व की जीवनी सहित उनके प्रेरणादायक कार्यों का अनुसरण कर जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

इन महान हस्तियों को किया गया सम्मानित

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर पद्मश्री व विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त विजेताओं के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. [illegible] (पूर्व अधिष्ठाता, [illegible] महाविद्यालय) को [illegible] एवं कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने, डॉ. हरिओम (विश्वविद्यालय के पूर्व कृषि विस्तार विशेषज्ञ) को प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, [illegible] [illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	3-2-24	4	1-2

The Tribune

HAU scientists develop new wheat variety with less water requirement

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, FEBRUARY 2

Scientists of Wheat and Barley Section at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) have developed a new high yielding wheat variety - WH 1402 – that requires just two spells of irrigation and moderate fertilisers.

This variety was most suitable for plains of Punjab, Haryana, Rajasthan, Delhi, Himachal Pradesh, Uttarakhand and Jammu and Kashmir, HAU vice chancellor Prof BR Kamboj said here on Thursday.

The average yield of this variety can be 50 quintals per hectare and maximum yield can be 68 quintals per hectare in just two water-spraying sessions, Kamboj said.

He said the variety was also resistant against yellow rust, brown rust and other diseases, and it gives 7.5 per cent more yield than NIAW 3170 - a good variety in low water zones.

High yielding, disease resistant

The vice chancellor said the new variety has been released at the national-level for sandy, less fertile and less water availability areas.

"It is recommended to use pure nitrogen 90 kg, phosphorus 60 kg, potash 40 kg and zinc sulphate 25 kg per hectare. It will help stop over-exploitation of groundwater in areas where the water table has depleted deeper. It will prove to be a boon for areas with less water," he said.

Agriculture College Dean Dr SK Pahuja said they recommend sowing of this variety in the last week of October to the first week of November and the quantity of seeds should be 100 kg per hectare. "It is also a good variety in terms of nutritional value of grain."

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	2-2-24	4	4-7

The Tribune

Farmers see little hope, agriculture varsity welcomes promotion of dairies, oilseeds

DEEPENDER DESWAL
TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, FEBRUARY 1

The interim budget tabled in Parliament by Union Finance Minister Nirmala Sitharaman has got a mixed response from farmers and agriculture experts.

While the experts appreciate announcements regarding dairy production and promotion of oilseeds, the farmers expressed surprise over no mention about their long-pending demands of ensuring guarantee of minimum support price (MSP) and not reviving cut in subsidies. Inderjit Singh, a leader of All India Kisan Sabha, said Haryana being predominantly an agriculture state has absolutely nothing in this budget that can in any way ameliorate the miseries of agrarian crisis.

"There is no emphasis on compensation and insurance claims for damaged crops in background of PMFBY proving benefit only to private companies," he said, adding that FCI or Cotton Corporation or other procurement agencies have been deliberately starved of required allocations in successive budgets of the Modi government.

He also said various subsidies to the farm sector were not being revived which were cut down in recent years.

Another farmer Dayanand Punia said the budget has nothing on demands of farmers. "I hope that the government could make some announcement regarding ensuring a profitable formula for farmers and allocate some specific funds for this. Besides, there is no talk about fertilisers. The ever-increasing input cost is one of the major factors in making farming an unprofitable occupation," he said.Sandeep Arya, a spokesperson of Hisar-based Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU), said announcements regarding increasing milk production and oilseed production, and promotion of the private-public investment in post harvesting activities would give a fillip to the agriculture sector.

"Boost to oilseed could lead to a cut down on import of edible oil that will curb inflation in the food sector," he said.

FILE PHOTO

NO MENTION OF FARMERS' DEMANDS

While experts appreciate announcements regarding dairy production and promotion of oilseeds, farmers expressed surprise over no mention of their long-pending demands of ensuring guarantee of minimum support price (MSP) and not reviving cut in subsidies.